<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

18 अप्रैल, 2018

24 घंटे में बर्खास्त हो कर्मचारी चयन आयोग – रणदीप सिंह सुरजेवाला

घोटालेबाजों को बचा रहे मुख्यमंत्री न्यायिक जांच के आदेश दें वरना PM करें CM को बर्खास्त

पीएम–सीएम 'छपास व दिखास' रोग से पीड़ित, उपचार पर जनता के खर्च हो रहे हजारों करोड़

कर्मचारी चयन आयोग के मुख्यालय पर 'रोजगार बचाओ, हरियाणा बचाओ' धरना आयोजित

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मीडिया प्रभारी, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि मुख्यमंत्री, श्री मनोहर लाल खट्टर नौकरी भर्ती घोटाले के जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके लिए प्रदेश का युवा उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री 24 घंटे में कर्मचारी चयन आयोग को बर्खास्त कर हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच नहीं करवाते, तो साफ हो जाएगा कि अपराधियों को उनका सीधा संरक्षण प्राप्त है। ऐसे में प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी की जिम्मेदारी है कि वो मुख्यमंत्री, श्री मनोहरलाल खट्टर को तत्काल बर्खास्त करें।

श्री सुरजेवाला आज यहां हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के समक्ष प्रदेश की भाजपा सरकार की युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ **'रोज़गार बचाओ, हरियाणा बचाओ'** धरना में आए हजारों युवाओं को संबोधित कर रहे थे। धरने में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों युवाओं ने भाग लेकर नौकरी भर्ती घोटाले के प्रति अपना रोष प्रकट किया।

नौकरी भर्ती घोटाले में मुख्यमंत्री पर मिलीभगत का स्पष्ट आरोप लगाते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आते ही एक सप्ताह के भीतर सारे मामले में एफआईआर दर्ज करके दोषियों को सलांखों में डाला जाएगा और मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराई जाएगी। कार्य प्रकरण में उन्होंने मुख्यमंत्री की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि वो घोटाले की जांच नहीं करा रहे, बल्कि जांच को भटका रहे हैं, जनता को गुमराह कर रहे हैं और दोषियों को बचा रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि आयोग में भर्ती का खेल तो भारती की नियुक्ति के साथ ही आरंभ हो गया था, क्योंकि चेयरमैन पद के लिए आवेदन का आखिरी दिन, 31 दिसंबर, 2014 था, लेकिन भारती का आवेदन ही 23 फरवरी, 2015 को प्राप्त हुआ था। बात यहीं नहीं रुकती, पिछले माह 11 मार्च को भारती की पेहवा नगर पालिका के चेयरमैन पद के लिए 70 लाख रु. लिए जाने की सीधी सारे प्रदेश ने सुनी। इसके बावजूद मुख्यमंत्री ने सदन में सारे प्रकरण की जांच का आश्वासन दिया, लेकिन बिना किसी जांच के 23 मार्च को 16 दिन पुराना आदेश जारी करके भारती को सेवाकाल में तीन साल का एक्सटेंशन दे दिया। सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह कहना कि यदि वो दोषी हुए, तो उनके खिलाफ भी कार्यवाही होगी, एक भद्दा मजाक है। उन्होंने पूछा कि क्या खट्टर की फ्लाईंग स्क्वैड उन्हीं के खिलाफ जांच करके कार्यवाही में सक्षम है?

देश व प्रदेश के हालात पर सीधा निशाना साधते हुए सुरजेवाला ने कहा कि मोदी और खट्टर ने देश के युवाओं, बेरोजगारों, महिलाओं और किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है, और यही वर्ग इन सरकारों के कुशासन से सबसे अधिक पीड़ित है। मोदी और खट्टर को 'छपास' और 'दिखास' के रोग से पीड़ित करार देते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों के उपचार पर हरियाणा और देश की जनता को हजारों करोड़ रु. खर्च करने पड़े हैं। हरियाणा का जिक्र करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि पहले तीन सालों में खट्टर सरकार ने अपना ढिंढोरा पीटने के लिए 366 करोड़ रु. लुटा दिए, यानि खट्टर जी की इस बीमारी पर प्रतिघंटा हरियाणा को 53 हजार रु. उपचार पर खर्च करने पड़े। इसी प्रकार मोदी के छपास और दिखास रोग पर अब तक 3755 करोड़ रु. खर्च हुए हैं, यानि प्रतिदिन 3 करोड़ रु.। सुरजेवाला ने सवाल किया कि इतने पैसों में कितने ही नए रोजगार सृजन हो सकते थे, लेकिन यह किसी की प्राथमिकता नहीं।

उन्होंने सीएम की ईमानदारी और पारदर्शिता पर सीधा सवाल दागते हुए पूछा कि स्वर्ण जयंती और गीता जयंती पर करोड़ों रु. लुटाने वाली खट्टर सरकार इन दोनों ही कार्यक्रमों पर कुंडली मारकर बैठी है जबकि विभाग के प्रधान सचिव ने सारे खर्च का ऑडिट कैग से कराने की सिफारिश की।